NEWS CLIPPING: 31.10.2020

THE TRIBUNE

WORKSHOP ON ANALYTICAL TECHNIQUES

Faridabad: To familiarise faculty members and students with the analytical techniques involved in industrial engineering, the Mechanical Engineering Department of JC Bose University of Science and Technology here organised a one-day workshop on 'Analytical techniques in industrial engineering'. As many as 147 participants attended the workshop which was sponsored under TEQIP-3. The workshop was inaugurated by Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar and presided over by Chairperson of the department Dr Raj Kumar. The session was convened by Dr Bhupender Yadav and Dr Mahesh Chand. Addressing the session, Prof Dinesh Kumar said industrial engineering was in demand these days as industrial engineers work to eliminate wastage of time, money, materials, energy, and other resources in manufacturing systems. He encouraged the participants to learn analytical techniques involved in industrial engineering for career prospects. Earlier, Dr Raj Kumar welcomed the guest and participants. Workshop coordinator Dr Bhupender Singh and Dr Mahesh Chand apprised the participants of the objective of the workshop that was to make them aware of recent advancements in industrial engineering. The workshop was attended by the participants from various states, including Tamil Nadu, Uttar Pradesh, West Bengal, Jammu and Kashmir, Madhya Pradesh, Bihar, Delhi, Maharashtra and Punjab.

The Tribune Sat, 31 October 2020
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 31.10.2020

PUNJAB KESARI

विनिर्माण उद्योग में औद्योगिक इंजीनियर्स की अहम भूमिका : कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

औद्योगिक इंजीनियरिंग की तकनीकों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद, 30 अक्तूबर (पूजा शर्मा) : औद्योगिक इंजीनियरिंग में शामिल विश्लेषणात्मक तकनीकों से संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को परिचित करवाने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा औद्योगिक इंजीनियरिंग में विश्लेषणात्मक तकनीकों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यशाला में लगभग 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया और वर्तमान समय में औद्योगिक इंजीनियरिंग की प्रासंगिकता और महत्व पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। सत्र की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डॉ. राज कुमार द्वारा की गई। सत्र का समन्वयन डॉ. भूपेंद्र यादव और डॉ. महेश चंद द्वारा किया गया। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि किसी भी विनिर्माण प्रणाली में समय, धन, सामग्री, ऊर्जा और अन्य संसाधनों की बचत में में औद्योगिक इंजीनियर महत्वपूर्ण निभाते है। इसलिए, लागत और समय की बचत के दृष्टिगत औद्योगिक इंजीनियरिंग की मांग निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने प्रतिभागियों को औद्योगिक इंजीनियरिंग में शामिल विश्लेषणात्मक तकनीकों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले विभागाध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. महेश चंद ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को औद्योगिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रही प्रगति तथा तकनीकों से अवगत करवाना है। कार्यशाला में तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन पर डॉ. ओपी मिश्रा ने कार्यशाला पर संक्षिप्त विवरण दिया तथा धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यशाला को जेसी बोस विश्वविद्यालय से डीन डॉ. संदीप ग्रोवर, अश्बीर सिंह और डॉ। संजीव गोयल तथा एमसीकेवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, पश्चिम बंगाल से ने प्रो. आशीष अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

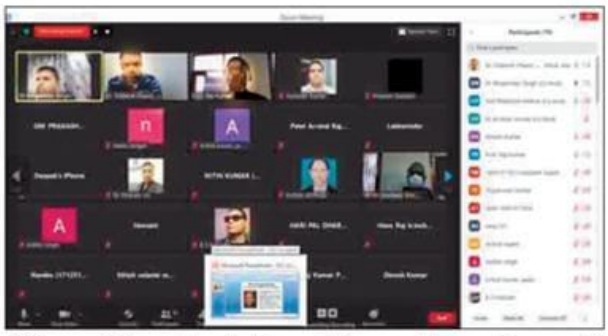

टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित कार्यशाला में भाग लेते प्रतिभागी। (छाया: एस शर्मा)

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat,31 October 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 31.10.2020

THE PIONEER

विनिर्माण उद्योग में इंजीनियर्स की अहम भूमिका : कुलपति

औद्योगिक इंजीनियरिंग की तकनीकों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

औद्योगिक इंजीनियरिंग में शामिल विश्लेषणात्मक तकनीकों से संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को परिचित करवाने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा औद्योगिक इंजीनियरिंग में विश्लेषणात्मक तकनीकों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यशाला में लगभग 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया और वर्तमान समय में औद्योगिक इंजीनियरिंग की प्रासंगिकता और महत्व पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। सत्र की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डॉ. राज कुमार द्वारा की गई। सत्र का समन्वयन डॉ. भूपेंद्र यादव और डॉ. महेश चंद द्वारा किया गया।

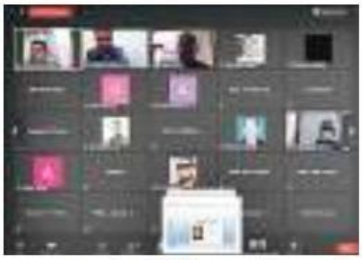

सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि किसी भी विनिर्माण प्रणाली में समय, धन, सामग्री, ऊर्जा और अन्य संसाधनों की बचत में में औद्योगिक इंजीनियर महत्वपूर्ण निभाते है। इसलिए, लागत और समय की बचन के दृष्टिगत औद्योगिक इंजीनियरिंग की मांग निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने प्रतिभागियों को औद्योगिक इंजीनियरिंग में शामिल विश्लेषणात्मक तकनीकों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इससे पहले विभागाध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. महेश चंद ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को औद्योगिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रही प्रगति तथा तकनीकों से अवगत करवाना है। कार्यशाला में तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

NEWS CLIPPING: 31.10.2020

HINDUSTAN

इंजीनियरिंग छात्र सीखें विशलेषण की तकनीक

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में शुक्रवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से औद्योगिक इंजीनियरिंग में औद्योगिक इंजीनियरिंग के तहत विशलेषणात्मक तकनीकों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। उन्होंने औद्योगिक इंजीनियरिंग की प्रासंगिकता और महत्व पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को औद्योगिक इंजीनियरिंग में शामिल विशलेषणात्मक तकनीकों को सीखने पर बल दिया। टीईक्यूआईपी-3 के तहत इंजीनियरिंग

कार्यशाला

- जेसी बोस विश्वविद्यालय में एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित
- छात्रों को इंजीनियरिंग की प्रासंगिकता और महत्व बताया

के संकाय सदस्यों और छात्रों को विषय से परिचित कराने के मकसद से हुई इस कार्यशाला में 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसकी अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने की।

डॉ. भूपेंद्र यादव और डॉ. महेश चंद ने कहा कि प्रतिभागियों को वर्तमान में औद्योगिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रही प्रगति का छात्रों को पता होना जरूरी है।

NEWS CLIPPING: 31.10.2020

DAINIK BHASKAR

उद्योग में औद्योगिक इंजीनियर्स की अहम भूमिका होती है: कुलपति प्रो. दिनेश

फरीदाबाद| जेसी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने औद्योगिक इंजीनियरिंग में विश्लेषणात्मक तकनीकों पर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने करते हुए वर्तमान समय में औद्योगिक इंजीनियरिंग की प्रासंगिकता और महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने की। इस दौरान प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि किसी भी विनिर्माण प्रणाली में समय, धन, सामग्री, ऊर्जा और अन्य संसाधनों की बचत में में औद्योगिक इंजीनियर महत्वपूर्ण निभाते है।